केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) एवं NCTE नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित

केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा

CTET

जूनियर स्तर (कक्षा VI-VIII)

बाल विकास एवं शिक्षण

भाषा- हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत

अध्यायवार

सॉल्व्ड पेपर्स

प्रधान सम्पादक

आनन्द कुमार महाजन

लेखक

परीक्षा विशेषज्ञ समिति

सम्पादकीय कार्यालय

12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002

9415650134

Email : yctap12@gmail.com

website : www.yctbooks.com/ www.yctfastbooks.com/ www.yctbooksprime.com

© All Rights Reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा

प्रधान सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने printed by Digital से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव एवं सहयोग सादर अपेक्षित है।

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

मूल्य : 1495/-

विषय-सूची

बाल विकास और अध्यापन..... 9-182

- बाल विकास (प्रारम्भिक विद्यालय का बालक).....9-142
  - विकास की अवस्था तथा अधिगम से उसका संबंध 9
  - बालक के विकास के सिद्धांत 19
  - आनुवांशिकता और पर्यावरण का प्रभाव.....27
  - सामाजिकीकरण दबाव : सामाजिक विश्व और बालक (शिक्षक, अभिभावक और मित्रगण)....32
  - पियाजे, कोहलबर्ग और बायगोत्सकी : निर्माण और विवोचित संदर्श.....40
  - बाल-केंद्रित और प्रगामी शिक्षा की अवधारणाएं.....81
  - बौद्धिकता के निर्माण का विवेचित संदर्श.....90
  - बहु-आयामी बौद्धिकता 94
  - भाषा और चिंतन.....102
  - समाज निर्माण के रूप में लिंग : लिंग भूमिकाएँ, लिंग-पूर्वाग्रह और शैक्षणिक व्यवहार.....108
  - शिक्षार्थियों के मध्य वैयक्तिक विभेद, भाषा, जाति, लिंग, समुदाय, धर्म आदि की विविधता पर आधारित विभेदों को समझना करना.....116
  - अधिगम के लिए मूल्यांकन और अधिगम के मूल्यांकन के बीच अंतर; विद्यालय आधारित मूल्यांकन, सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन : संदर्श और व्यवहार.....124
  - शिक्षार्थियों की तैयारी के स्तर के मूल्यांकन के लिए; कक्षा में शिक्षण और विवेचित चिंतन के लिए तथा शिक्षार्थी की उपलब्धि के लिए उपयुक्त प्रश्न तैयार करना।.....132
- समावेशी शिक्षा की अवधारणा तथा निवेश आवश्यकता वाले बालकों को समझना.....142-182
  - गैर-लाभप्राप्त और अवसर-वंचित शिक्षार्थियों सहित विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए शिक्षणार्थियों की आवश्यकताओं को समझना 147
  - अधिगम संबंधी समस्याओं, 'कठिनाई' रखने वाले बालकों की आवश्यकताओं को समझना.....156
  - मेधावी, सृजनशील, विशिष्ट, प्रतिभावान शिक्षणार्थियों की आवश्यकताओं को समझना 174

हिन्दी 183-413

- ❑ भाषा बोधगम्यता 183-264
  - (अनदेखे अनुच्छेदों को पढ़ना) 183
- ❑ भाषा विकास का अध्यापन.....265-413
  - अधिगम अर्जन..... 265
  - भाषा अध्यापन के सिद्धांत..... 291
  - सुनने और बोलने की भूमिका, भाषा का कार्य तथा बालक इसे किस प्रकार एक उपकरण के रूप में प्रयोग करते हैं।..... 311
  - मौखिक और लिखित रूप में विचारों के सम्प्रेषण के लिए किसी भाषा के अधिगम में व्याकरण की भूमिका पर विवेचित संदर्श..... 321
  - एक भिन्न कक्षा में भाषा पढ़ाने की चुनौतियाँ, भाषा की कठिनाइयां, त्रुटियाँ और विकार 352
  - भाषा कौशल 360
  - भाषा बोधगम्यता और प्रवीणता का मूल्यांकन करना : बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना... 375
  - अध्यापन-अधिगम सामग्री : पाठ्यपुस्तक, मल्टीमीडिया सामग्री, कक्षा का बहुभाषायी संसाधन 396
  - उपचारात्मक अध्यापन..... 411

English 414-634

- ❑ LANGUAGE COMPREHENSION 414-507
  - (Reading unseen passage-two passage one prose or drama and one poem with question on comprehension, inference, grammar and verbal ability (Prose passage may be literary, scientific, narrative or discursive)..... 414
- ❑ PEDAGOGY OF LANGUAGE DEVELOPMENT 508-634
  - Language Learning and Language Acquisition 508
  - Principles of Language Teaching..... 533
  - Role of Listening and Speaking function of Language and How Children use it as a tool 547
  - A Critical Perspective on the Role of Grammar in Learning a Language for Communicating Ideas Verbally and in Written form 553

- **Challenges of Teaching Language in a Diverse Classroom; Language Difficulties, Errors and Disorders** **577**
- **Language Skills** **582**
- **Evaluating/Assessment Language Comprehension and Proficiency : Speaking,Listening, Reading and Writing** **588**
- **Teaching-Learning Materials : Textbook, Multimedia Materials, multilingual resource of the classroom.** **618**
- **Remedial Teaching/Diagnostic** **633**

संस्कृत 634-784

❑ **भाषाबोध** **634-703**

- **अपठितखण्डानां पठनं- द्वे खण्डे, एकः गद्यात् वा नाटकात् एकः च काव्यात्। अवगमनस्य, अंतर्ज्ञानस्य, व्याकरणस्य, वाचिकक्षमतायाः च प्रश्नाः (गद्य साहित्यिकं, वैज्ञानिकं, कथात्मकं वा विमर्शात्मकं वा भवितुम् अर्हति)** **634**

❑ **भाषाविकासस्य शिक्षाशास्त्रम्** **704-784**

- **भाषा अधिगम अधिग्रहणं च** **704**
- **भाषाशिक्षणस्य सिद्धान्ताः** **720**
- **श्रवणस्य वक्तुं च भूमिका, भाषायाः कार्य तथा च बालकाः तस्याः उपयोगं कथं साधनरूपेण कुर्वन्ति इति** **727**
- **मौखिकरूपेण लेखनरूपेण च विचारणां संप्रेषणार्थं भाषाशिक्षणे व्याकरणस्य भूमिकायाः समीक्षात्मकदृष्टिकोणः** **731**
- **विविधकक्षायां भाषाशिक्षणस्य आव्हानानि; भाषाकष्टानि, दोषाः, विकाराः च** **746**
- **भाषा कौशलम्** **750**
- **भाषाबोधस्य प्रवीणतायाः च मूल्याङ्कनम्: वक्तुं, श्रवणं, पठनं, लेखनं च** **756**
- **अध्यापकशिक्षणसामग्रीः पाठ्यपुस्तकानि, बहुमाध्यमसामग्री, बहुभाषिककक्षासंसाधनम्** **774**
- **उपायात्मक निदानात्मक शिक्षणम्** **784**

प्रश्न-पत्रों का विश्लेषण

बाल विकास और अध्यापन					
क्र.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा तिथि	कुल परीक्षा प्रश्न	क्र.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा तिथि	कुल परीक्षा प्रश्न
1.	**CTET, 2024 (VI-VIII) (21-01-2024)**	1 × 30 = 30	*30.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (11-01-2022)**	1 × 30 = 30
2.	**CTET, 2023 (VI-VIII) (20-08-2023)**	1 × 30 = 30	*31.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (12-01-2022)**	1 × 30 = 30
3.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (28-12-2022)**	1 × 30 = 30	*32.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (17-01-2022)**	1 × 30 = 30
4.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (09-01-2023)**	1 × 30 = 30	*33.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (21-01-2022)**	1 × 30 = 30
5.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (11-01-2023)**	1 × 30 = 30	*34.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (20-12-2021)**	1 × 30 = 30
6.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (12-01-2023)**	1 × 30 = 30	*35.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (21-12-2021)**	1 × 30 = 30
7.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (13-01-2023)**	1 × 30 = 30	*36.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (22-12-2021)**	1 × 30 = 30
8.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (17-01-2023)**	1 × 30 = 30	*37.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (23-12-2021)**	1 × 30 = 30
9.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (18-01-2023)**	1 × 30 = 30	*38.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (24-12-2021)**	1 × 30 = 30
10.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (19-01-2023)**	1 × 30 = 30	*39.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (27-12-2021)**	1 × 30 = 30
11.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (20-01-2023)**	1 × 30 = 30	*40.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (28-12-2021)**	1 × 30 = 30
12.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (23-01-2023)**	1 × 30 = 30	*41.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (29-12-2021)**	1 × 30 = 30
13.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (24-01-2023)**	1 × 30 = 30	*42.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (30-12-2021)**	1 × 30 = 30
14.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (25-01-2023)**	1 × 30 = 30	*43.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (31-12-2021)**	1 × 30 = 30
15.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (27-01-2023)**	1 × 30 = 30	*44.*	**CTET, 2020 (VI-VIII) (31-01-2021)**	1 × 30 = 30
16.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (28-01-2023)**	1 × 30 = 30	*45.*	**CTET, 2019 (VI-VIII) (08-12-2019)**	1 × 30 = 30
17.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (29-01-2023)**	1 × 30 = 30	*46.*	**CTET 2019 (VI-VIII) (07-07-2019)**	1 × 30 = 30
18.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (30-01-2023)**	1 × 30 = 30	*47.*	**CTET 2018 (VI-VIII) (09-12-2018)**	1 × 30 = 30
19.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (01-02-2023)**	1 × 30 = 30	*48.*	**CTET 2016 (VI-VIII) (18-09-2016)**	1 × 30 = 30
20.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (03-02-2023)**	1 × 30 = 30	*49.*	**CTET 2016 (VI-VIII) (21-02-2016)**	1 × 30 = 30
21.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (06-02-2023)**	1 × 30 = 30	*50.*	**CTET 2015 (VI-VIII) (20-09-2015)**	1 × 30 = 30
22.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (01-01-2022)**	1 × 30 = 30	*51.*	**CTET 2015 (VI-VIII) (22-02-2015)**	1 × 30 = 30
23.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (03-01-2022)**	1 × 30 = 30	*52.*	**CTET 2014 (VI-VIII) (21-09-2014)**	1 × 30 = 30
24.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (04-01-2022)**	1 × 30 = 30	*53.*	**CTET 2014 (VI-VIII) (16-02-2014)**	1 × 30 = 30
25.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (05-01-2022)**	1 × 30 = 30	*54.*	**CTET 2013 (VI-VIII) (28-07-2013)**	1 × 30 = 30
26.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (06-01-2022)**	1 × 30 = 30	*55.*	**CTET 2012 (VI-VIII) (18-11-2012)**	1 × 30 = 30
27.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (07-01-2022)**	1 × 30 = 30	*56.*	**CTET 2012 (VI-VIII) (29-01-2012)**	1 × 30 = 30
28.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (08-01-2022)**	1 × 30 = 30	*57.*	**CTET 2011 (VI-VIII) (26-06-2011)**	1 × 30 = 30
29.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (10-01-2022)**	1 × 30 = 30			
				कुल प्रश्न-पत्र = 57	**1710**

हिन्दी					
क्र.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा तिथि	कुल परीक्षा प्रश्न	क्र.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा तिथि	कुल परीक्षा प्रश्न
1.	**CTET, 2024 (VI-VIII) (21-01-2024)**	1 × 60 = 60	*30.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (11-01-2022)**	1 × 60 = 60
2.	**CTET, 2023 (VI-VIII) (20-08-2023)**	1 × 60 = 60	*31.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (12-01-2022)**	1 × 60 = 60
3.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (28-12-2022)**	1 × 60 = 60	*32.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (17-01-2022)**	1 × 60 = 60
4.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (09-01-2023)**	1 × 60 = 60	*33.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (21-01-2022)**	1 × 60 = 60
5.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (11-01-2023)**	1 × 60 = 60	*34.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (20-12-2021)**	1 × 60 = 60
6.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (12-01-2023)**	1 × 60 = 60	*35.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (21-12-2021)**	1 × 60 = 60
7.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (13-01-2023)**	1 × 60 = 60	*36.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (22-12-2021)**	1 × 60 = 60
8.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (17-01-2023)**	1 × 60 = 60	*37.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (23-12-2021)**	1 × 60 = 60
9.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (18-01-2023)**	1 × 60 = 60	*38.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (24-12-2021)**	1 × 60 = 60
10.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (19-01-2023)**	1 × 60 = 60	*39.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (27-12-2021)**	1 × 60 = 60
11.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (20-01-2023)**	1 × 60 = 60	*40.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (28-12-2021)**	1 × 60 = 60
12.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (23-01-2023)**	1 × 60 = 60	*41.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (29-12-2021)**	1 × 60 = 60
13.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (24-01-2023)**	1 × 60 = 60	*42.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (30-12-2021)**	1 × 60 = 60
14.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (25-01-2023)**	1 × 60 = 60	*43.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (31-12-2021)**	1 × 60 = 60
15.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (27-01-2023)**	1 × 60 = 60	*44.*	**CTET, 2020 (VI-VIII) (31-01-2021)**	1 × 60 = 60
16.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (28-01-2023)**	1 × 60 = 60	*45.*	**CTET, 2019 (VI-VIII) (08-12-2019)**	1 × 60 = 60
17.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (29-01-2023)**	1 × 60 = 60	*46.*	**CTET 2019 (VI-VIII) (07-07-2019)**	1 × 60 = 60
18.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (30-01-2023)**	1 × 60 = 60	*47.*	**CTET 2018 (VI-VIII) (09-12-2018)**	1 × 60 = 60
19.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (01-02-2023)**	1 × 60 = 60	*48.*	**CTET 2016 (VI-VIII) (18-09-2016)**	1 × 60 = 60
20.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (03-02-2023)**	1 × 60 = 60	*49.*	**CTET 2016 (VI-VIII) (21-02-2016)**	1 × 60 = 60
21.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (06-02-2023)**	1 × 60 = 60	*50.*	**CTET 2015 (VI-VIII) (20-09-2015)**	1 × 60 = 60
22.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (01-01-2022)**	1 × 60 = 60	*51.*	**CTET 2015 (VI-VIII) (22-02-2015)**	1 × 60 = 60
23.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (03-01-2022)**	1 × 60 = 60	*52.*	**CTET 2014 (VI-VIII) (21-09-2014)**	1 × 60 = 60
24.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (04-01-2022)**	1 × 60 = 60	*53.*	**CTET 2014 (VI-VIII) (16-02-2014)**	1 × 60 = 60
25.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (05-01-2022)**	1 × 60 = 60	*54.*	**CTET 2013 (VI-VIII) (28-07-2013)**	1 × 60 = 60
26.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (06-01-2022)**	1 × 60 = 60	*55.*	**CTET 2012 (VI-VIII) (18-11-2012)**	1 × 60 = 60
27.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (07-01-2022)**	1 × 60 = 60	*56.*	**CTET 2012 (VI-VIII) (29-01-2012)**	1 × 60 = 60
28.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (08-01-2022)**	1 × 60 = 60	*57.*	**CTET 2011 (VI-VIII) (26-06-2011)**	1 × 60 = 60
29.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (10-01-2022)**	1 × 60 = 60			
				कुल प्रश्न-पत्र = 57	**3420**

अंग्रेजी

क्र.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा तिथि	कुल परीक्षा प्रश्न	क्र.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा तिथि	कुल परीक्षा प्रश्न
1.	**CTET, 2024 (VI-VIII) (21-01-2024)**	1 × 60 = 60	*30.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (11-01-2022)**	1 × 60 = 60
2.	**CTET, 2023 (VI-VIII) (20-08-2023)**	1 × 60 = 60	*31.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (12-01-2022)**	1 × 60 = 60
3.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (28-12-2022)**	1 × 60 = 60	*32.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (17-01-2022)**	1 × 60 = 60
4.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (09-01-2023)**	1 × 60 = 60	*33.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (21-01-2022)**	1 × 60 = 60
5.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (11-01-2023)**	1 × 60 = 60	*34.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (20-12-2021)**	1 × 60 = 60
6.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (12-01-2023)**	1 × 60 = 60	*35.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (21-12-2021)**	1 × 60 = 60
7.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (13-01-2023)**	1 × 60 = 60	*36.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (22-12-2021)**	1 × 60 = 60
8.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (17-01-2023)**	1 × 60 = 60	*37.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (23-12-2021)**	1 × 60 = 60
9.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (18-01-2023)**	1 × 60 = 60	*38.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (24-12-2021)**	1 × 60 = 60
10.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (19-01-2023)**	1 × 60 = 60	*39.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (27-12-2021)**	1 × 60 = 60
11.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (20-01-2023)**	1 × 60 = 60	*40.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (28-12-2021)**	1 × 60 = 60
12.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (23-01-2023)**	1 × 60 = 60	*41.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (29-12-2021)**	1 × 60 = 60
13.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (24-01-2023)**	1 × 60 = 60	*42.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (30-12-2021)**	1 × 60 = 60
14.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (25-01-2023)**	1 × 60 = 60	*43.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (31-12-2021)**	1 × 60 = 60
15.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (27-01-2023)**	1 × 60 = 60	*44.*	**CTET, 2020 (VI-VIII) (31-01-2021)**	1 × 60 = 60
16.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (28-01-2023)**	1 × 60 = 60	*45.*	**CTET, 2019 (VI-VIII) (08-12-2019)**	1 × 60 = 60
17.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (29-01-2023)**	1 × 60 = 60	*46.*	**CTET 2019 (VI-VIII) (07-07-2019)**	1 × 60 = 60
18.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (30-01-2023)**	1 × 60 = 60	*47.*	**CTET 2018 (VI-VIII) (09-12-2018)**	1 × 60 = 60
19.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (01-02-2023)**	1 × 60 = 60	*48.*	**CTET 2016 (VI-VIII) (18-09-2016)**	1 × 60 = 60
20.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (03-02-2023)**	1 × 60 = 60	*49.*	**CTET 2016 (VI-VIII) (21-02-2016)**	1 × 60 = 60
21.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (06-02-2023)**	1 × 60 = 60	*50.*	**CTET 2015 (VI-VIII) (20-09-2015)**	1 × 60 = 60
22.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (01-01-2022)**	1 × 60 = 60	*51.*	**CTET 2015 (VI-VIII) (22-02-2015)**	1 × 60 = 60
23.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (03-01-2022)**	1 × 60 = 60	*52.*	**CTET 2014 (VI-VIII) (21-09-2014)**	1 × 60 = 60
24.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (04-01-2022)**	1 × 60 = 60	*53.*	**CTET 2014 (VI-VIII) (16-02-2014)**	1 × 60 = 60
25.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (05-01-2022)**	1 × 60 = 60	*54.*	**CTET 2013 (VI-VIII) (28-07-2013)**	1 × 60 = 60
26.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (06-01-2022)**	1 × 60 = 60	*55.*	**CTET 2012 (VI-VIII) (18-11-2012)**	1 × 60 = 60
27.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (07-01-2022)**	1 × 60 = 60	*56.*	**CTET 2012 (VI-VIII) (29-01-2012)**	1 × 60 = 60
28.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (08-01-2022)**	1 × 60 = 60	*57.*	**CTET 2011 (VI-VIII) (26-06-2011)**	1 × 60 = 60
29.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (10-01-2022)**	1 × 60 = 60			
				कुल प्रश्न-पत्र = 57	**3420**

संस्कृत

क्र.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा तिथि	कुल परीक्षा प्रश्न	क्र.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा तिथि	कुल परीक्षा प्रश्न
1.	**CTET, 2024 (VI-VIII) (21-01-2024)**	1 × 60 = 60	*30.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (11-01-2022)**	1 × 60 = 60
2.	**CTET, 2023 (VI-VIII) (20-08-2023)**	1 × 60 = 60	*31.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (12-01-2022)**	1 × 60 = 60
3.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (28-12-2022)**	1 × 60 = 60	*32.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (17-01-2022)**	1 × 60 = 60
4.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (09-01-2023)**	1 × 60 = 60	*33.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (21-01-2022)**	1 × 60 = 60
5.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (11-01-2023)**	1 × 60 = 60	*34.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (20-12-2021)**	1 × 60 = 60
6.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (12-01-2023)**	1 × 60 = 60	*35.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (21-12-2021)**	1 × 60 = 60
7.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (13-01-2023)**	1 × 60 = 60	*36.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (22-12-2021)**	1 × 60 = 60
8.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (17-01-2023)**	1 × 60 = 60	*37.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (23-12-2021)**	1 × 60 = 60
9.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (18-01-2023)**	1 × 60 = 60	*38.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (24-12-2021)**	1 × 60 = 60
10.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (19-01-2023)**	1 × 60 = 60	*39.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (27-12-2021)**	1 × 60 = 60
11.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (20-01-2023)**	1 × 60 = 60	*40.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (28-12-2021)**	1 × 60 = 60
12.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (23-01-2023)**	1 × 60 = 60	*41.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (29-12-2021)**	1 × 60 = 60
13.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (24-01-2023)**	1 × 60 = 60	*42.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (30-12-2021)**	1 × 60 = 60
14.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (25-01-2023)**	1 × 60 = 60	*43.*	**CTET, 2021 (VI-VIII) (31-12-2021)**	1 × 60 = 60
15.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (27-01-2023)**	1 × 60 = 60	*44.*	**CTET, 2020 (VI-VIII) (31-01-2021)**	1 × 60 = 60
16.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (28-01-2023)**	1 × 60 = 60	*45.*	**CTET, 2019 (VI-VIII) (08-12-2019)**	1 × 60 = 60
17.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (29-01-2023)**	1 × 60 = 60	*46.*	**CTET 2019 (VI-VIII) (07-07-2019)**	1 × 60 = 60
18.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (30-01-2023)**	1 × 60 = 60	*47.*	**CTET 2018 (VI-VIII) (09-12-2018)**	1 × 60 = 60
19.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (01-02-2023)**	1 × 60 = 60	*48.*	**CTET 2016 (VI-VIII) (18-09-2016)**	1 × 60 = 60
20.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (03-02-2023)**	1 × 60 = 60	*49.*	**CTET 2016 (VI-VIII) (21-02-2016)**	1 × 60 = 60
21.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (06-02-2023)**	1 × 60 = 60	*50.*	**CTET 2015 (VI-VIII) (20-09-2015)**	1 × 60 = 60
22.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (01-01-2022)**	1 × 60 = 60	*51.*	**CTET 2015 (VI-VIII) (22-02-2015)**	1 × 60 = 60
23.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (03-01-2022)**	1 × 60 = 60	*52.*	**CTET 2014 (VI-VIII) (21-09-2014)**	1 × 60 = 60
24.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (04-01-2022)**	1 × 60 = 60	*53.*	**CTET 2014 (VI-VIII) (16-02-2014)**	1 × 60 = 60
25.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (05-01-2022)**	1 × 60 = 60	*54.*	**CTET 2013 (VI-VIII) (28-07-2013)**	1 × 60 = 60
26.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (06-01-2022)**	1 × 60 = 60	*55.*	**CTET 2012 (VI-VIII) (18-11-2012)**	1 × 60 = 60
27.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (07-01-2022)**	1 × 60 = 60	*56.*	**CTET 2012 (VI-VIII) (29-01-2012)**	1 × 60 = 60
28.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (08-01-2022)**	1 × 60 = 60	*57.*	**CTET 2011 (VI-VIII) (26-06-2011)**	1 × 60 = 60
29.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (10-01-2022)**	1 × 60 = 60			
				कुल प्रश्न-पत्र = 57	**3420**

नोट- उपरोक्त प्रश्न-पत्रों के सम्यक विश्लेषण के उपरान्त **बाल विकास और अध्यापन** से सम्बन्धित **1710** प्रश्नों, **हिन्दी** से संबंधित **3420** प्रश्नों, **अंग्रेजी** से संबंधित **3420** प्रश्नों एवं **संस्कृत** से संबंधित **3420** प्रश्नों, को अध्यायवार प्रस्तुत किया गया है। दुहराव वाले प्रश्नों का परीक्षा वर्ष एवं परीक्षा नाम यथास्थान निर्दिष्ट कर दिया गया है।

Trend Analysis of previous year question Papers

बाल विकास और अध्यापन

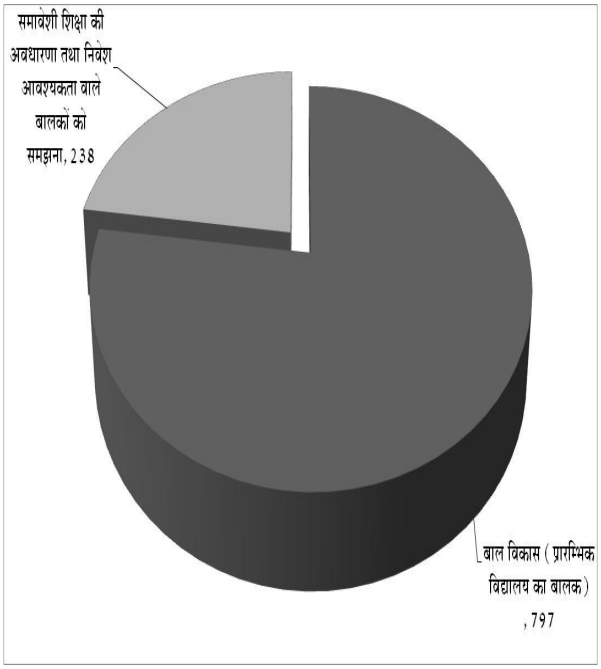

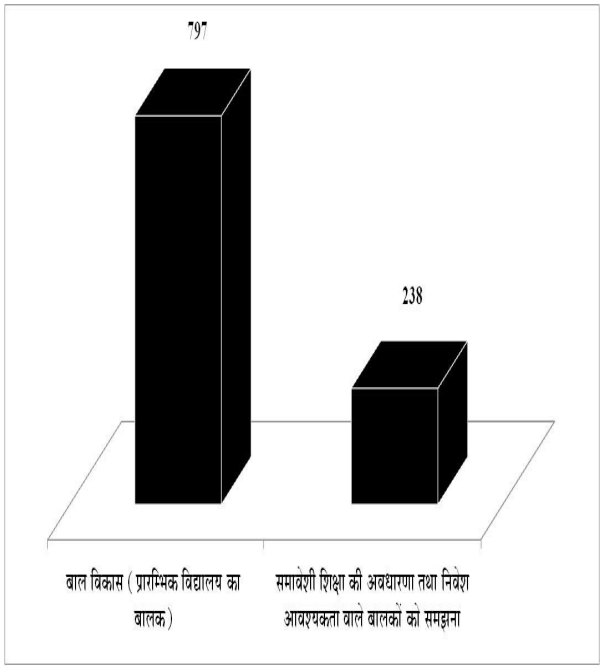

हिन्दी

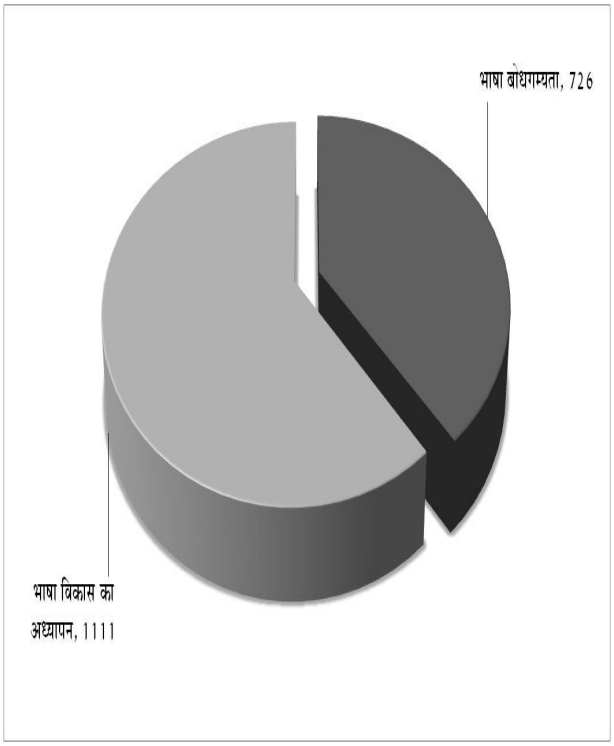

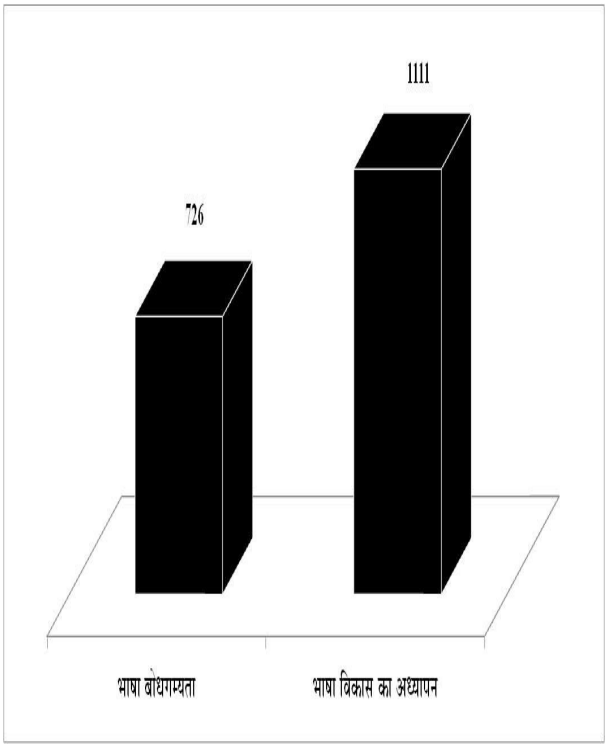

अंग्रेजी

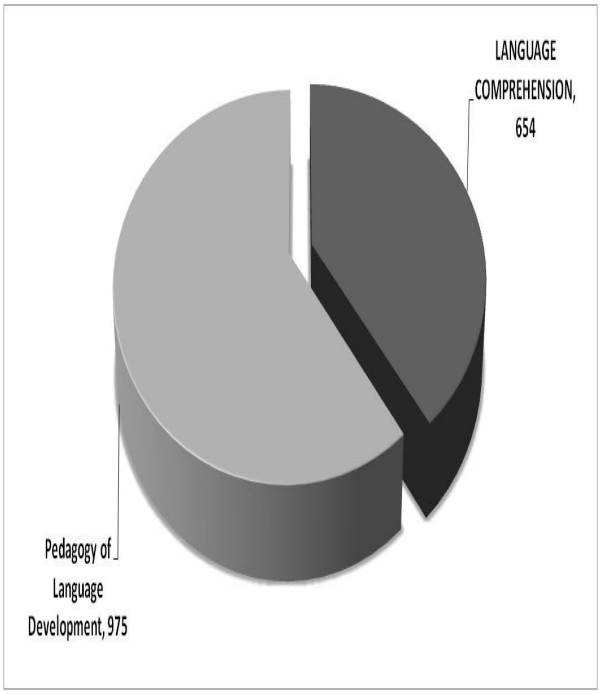
LANGUAGE COMPREHENSION, 654
Pedagogy of Language Development, 975

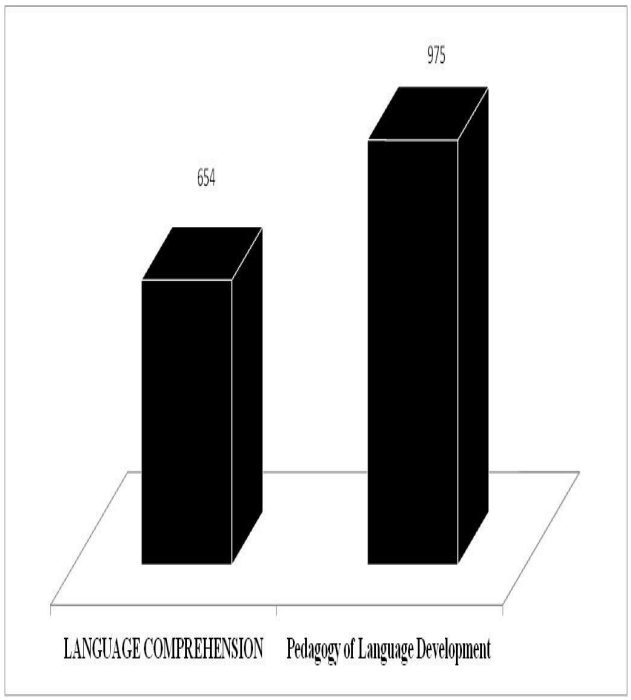
975
654
LANGUAGE COMPREHENSION
Pedagogy of Language Development

संस्कृत

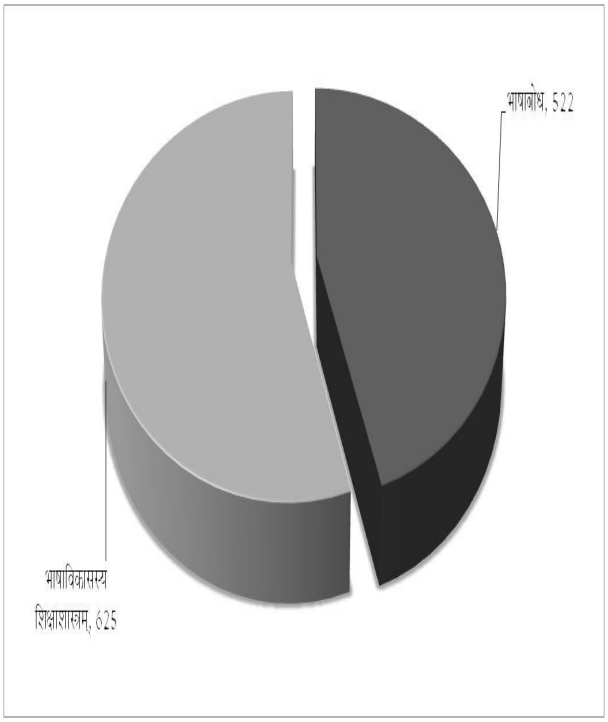
भाषाबोध, 522
भाषाविकासस्य शिक्षाशास्त्रम्, 625

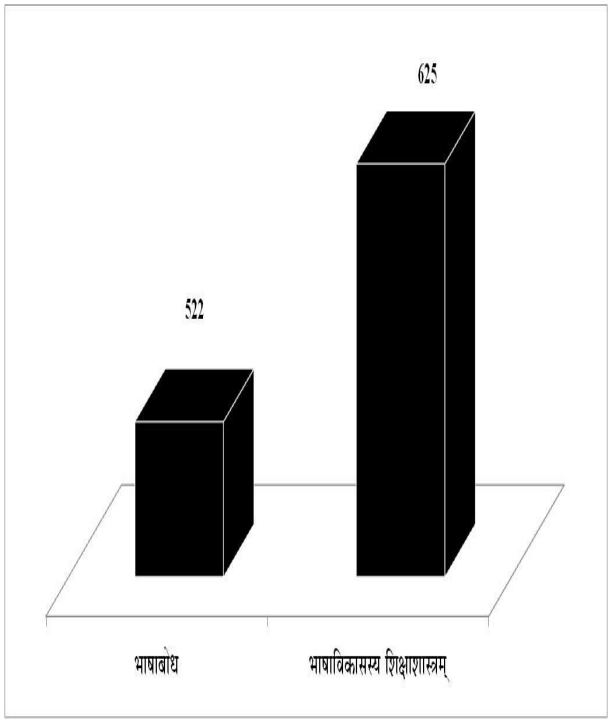
625
522
भाषाबोध
भाषाविकासस्य शिक्षाशास्त्रम्

बाल विकास और अध्यापन

कक्षा (VI-VIII)

1. बाल विकास (प्रारम्भिक विद्यालय का बालक)

1. विकास-

(a) अव्यवस्थित होता है। (b) पूरी तरह से अप्रत्याशित है।
(c) एक आयामी है। (d) गतिशील है।

CTET (VI-VIII) 29/12/2022 (Shift-II)

Ans. (d) : विकास गतिशील हैं। विकास कुछ कम से कुछ अधिक बनाने के बारे में है, उदाहरण के लिए एक असहाय शिशु से चलने और बात करने वाला बच्चा। एक वर्तमान सैद्धांतिक ढ़ांचा विकासात्मक प्रक्रिया को एक जटिल गतिशील प्रणाली के भीतर परिवर्तन के रूप में देखता है। विकास को वास्तविक समय में होने वाली कई विकेन्द्रीकृत और स्थानीय अंतः क्रियाओं के उभरते उत्पाद के रूप में देखा जाता है।

2. विकास की प्रक्रियाः

(a) बहुआयामी है (b) एकरूपी है
(c) रैखिक है (d) स्थिर है

CTET (VI-VIII) 04/02/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : विकास एक बहुआयामी प्रक्रिया है जिसका अर्थ है कि इसमें शारीरिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास जैसे कारकों की गतिशील अंतःक्रिया शामिल है।

3. विकास की प्रक्रिया की क्या विशेषताएँ हैं?

(i) यह प्रक्रिया बचपन तक सीमित है।
(ii) यह जीवन भर चलने वाली प्रक्रिया है।
(iii) इसकी शुरूआत जन्म के समय होती है।
(iv) इसकी शुरूआत गर्भधारण के समय होती है।
सही विकल्प चुनें–

(a) (i), (iii) (b) (i), (iv)
(c) (ii), (iii) (d) (ii), (iv)

CTET (VI-VIII) 28/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : प्रत्येक व्यक्ति में शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक परिपेक्ष्य में समय-समय पर बदलाव आता है। जन्म के समय वह शिशु कहलाता है, कुछ समय के बाद बालक, फिर किशोर, वयस्क, और अंत में प्रौढ़ एवं वृद्ध कहलाता है। बालक की आयु के साथ शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, सांवेगिक, नैतिक आदि पक्षों का विकास होता है। व्यक्ति के सम्पूर्ण व्यक्तित्व में परिवर्तन को अभिवृद्धि एवं विकास के नाम से जाना जाता है। हरलॉक के अनुसार, ''विकास अभिवृद्धि तक सीमित नहीं है, अपितु इसमें परिवर्तनों का वह प्रगतिशील क्रम निहित है जो परिपक्वता के लक्ष्य की ओर अग्रसर होता है। विकास के परिणामस्वरूप व्यक्ति में नवीन विशेषताएँ और नवीन योग्यताएँ प्रकट होती है।''

इसकी निम्नलिखित विशेषताएँ होती हैं–

* यह जीवन भर चलने वाली प्रक्रिया है।
* इसकी शुरूआत गर्भधारण के समय से ही होती है।
* वृद्धि की तुलना में विकास अधिक व्यापक है।
* इसमें शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास भी होता है।

1.(i) विकास की अवस्था तथा अधिगम से उसका संबंध

4. बाल्यावस्था की अवधि में विकास-

(a) में केवल परिमाणात्मक परिवर्तन होते हैं।
(b) अनियमित और असंबद्ध होता है।
(c) धीमी गति से होता है एवं उसे मापा नहीं जा सकता।
(d) बहुस्तरीय और मिश्रित होता है।

CTET (VI-VIII) 31/01/2021

Ans. (d) : बाल्यावस्था में विकास बहुस्तरीय और मिश्रित होता है। सामान्य तौर पर बाल्यावस्था की अवधि 6-12 वर्ष तक की आयु को माना जाता है। इस अवस्था में बालक में अनेक परिवर्तन होते हैं। शिक्षा का आरम्भ इसी आयु से होता है इसलिए शिक्षाशास्त्रियों ने इसे 'प्रारम्भिक विद्यालय की आयु' कहा है। इस अवस्था को 'समूह की आयु' (Gang Age) और 'चुस्ती की आयु' (Smart Age) भी कहा जाता है। इस प्रकार देखा जाए तो बाल्यावस्था की अवधि में विकास विभिन्न पक्षों, यथा शारीरिक, मानसिक, सामाजिक आदि में होता है और ये आपस में अंतःसंबधित भी होते हैं। इसलिए बाल्यावस्था के विकास को बहुस्तरीय और मिश्रित माना जाता है।

5. निम्नलिखित में से मध्य बाल्यावस्था की अवधि का मुख्य प्रमाण चिन्ह कौन सा है?

(a) पेशीय कौशल और समग्र शारीरिक वृद्धि का तेजी से विकास।
(b) वैज्ञानिक तर्क और अमूर्त रूप से सोचने की क्षमता का विकास।
(c) प्रतीकात्मक-खेल का उभरना।
(d) तर्कसंगत विचारों का विकास जो कि प्राकृतिक रूप से मूर्त हैं।

CTET (VI-VIII) 31/01/2021

Ans. (d) : 'तर्कसंगत विचारों का विकास जो कि प्राकृतिक रूप से मूर्त है।' मध्य बाल्यावस्था की अवधि का मुख्य प्रमाण चिन्ह है। पियाजे के अनुसार, मध्य बाल्यावस्था की अवधि 7-11 या 12 वर्ष तक होती है, जिसको इन्होंने मूर्त संक्रियात्मक अवस्था का नाम दिया है। इस अवस्था में बालक में मूर्त रूप से सोचने, तर्क करने, संरक्षण, विलोमीयता जैसे गुणों का विकास हो जाता है। वह वस्तुओं को उनके गुणों के आधार पर वर्गीकृत कर सकता है, उनका श्रेणीकरण कर सकता है और उनमें सम्बन्ध स्थापित कर सकता है।

6. बाल्यावस्था की अवधारणा से क्या अभिप्राय है ?

(a) समकालीन सामाजिक-संरचनावादी मनोवैज्ञानिकों के अनुसार यह एक सामाजिक संरचना है।
(b) यह है कि बच्चे दुष्ट रूप में पैदा होते हैं और उन्हें सभ्य बनाना होता है।

(c) यह कि बच्चे शून्य से शुरुआत करते हैं और उनके गुण पूरी तरह से परिवेश के द्वारा निर्धारित किए जाते हैं।

(d) यह विभिन्न सांस्कृतिक संदर्भो में सार्वभौम रूप से समान है।

CTET (VI-VIII) 08/12/2019

Ans. (a) समकालीन सामाजिक-संरचनावादी मनोवैज्ञानिकों के अनुसार बाल्यावस्था एक सामाजिक संरचना की अवस्था है। बाल्यावस्था में समाजीकरण की गति तीव्र हो जाती है। बालक समाज के प्रत्यक्ष संपर्क में आता है, जिसके फलस्वरूप उसका सामाजिक विकास तीव्र गति से होता है। बाल्यावस्था में समूह सदस्यता, सामाजिक गुण, बहिर्मुखी प्रवृत्ति, सामाजिक स्वीकृति की चाह, मित्र चयन आदि सामाजिक गुणों का विकास होता है।

7. निम्नलिखित में से कौन सी 'मध्य बाल्यावस्था' की विशेषता है ?

(a) अमूर्त रूप से सोचने तथा वैज्ञानिक तर्क का प्रयोग करने की योग्यता विकसित होती है।

(b) बच्चे तार्किक एवं मूर्त रूप से सोचना प्रारंभ कर देते हैं।

(c) अधिगम मुख्य रूप से संवेदी एवं चालक गतिविधियों द्वारा घटित होता है।

(d) शारीरिक वृद्धि एवं विकास बहुत तेज गति से होता है।

CTET (VI-VIII) 08/12/2019

Ans. (b) मध्य बाल्यावस्था में बच्चे तार्किक एवं मूर्त रूप से सोचना प्रारम्भ कर देते हैं। **कोल** के अनुसार मध्य बाल्यावस्था 6-12 वर्ष की आयु होती है। **पियाजे** ने इस अवस्था को मूर्त संक्रियात्मक अवस्था कहा है जिसमें बालक तार्किक और मूर्त रूप से चिंतन करने लगता है। इसी अवस्था में विलोमीयता और संरक्षण जैसे गुणात्मक मानसिक योग्यताओं का विकास होता है।

8. निम्नलिखित कथनों में से कौन सा विकास एवं अधिगम के बीच संबंध को सही तरीके से सूचित करता है?

(a) अधिगम विकास का ध्यान किए बिना घटित होता है।

(b) अधिगम की दर विकास की दर से काफी अधिक होती है।

(c) विकास एवं अधिगम अंतःसंबंधित और अंतःनिर्भर होते हैं।

(d) विकास एवं अधिगम संबंधित नहीं हैं।

CTET (VI-VIII) 07/07/2019

Ans. (c) : विकास और अधिगम के संबंध में निम्नलिखित कथन सत्य है–

- विकास एवं अधिगम अंतःसम्बन्धित और अंतः निर्भर होते हैं।
- विकास एवं अधिगम दोनों अनवरत गति से जीवनपर्यंत चलती हैं।
- विकास एवं अधिगम के संबंध को इस तरह समझा जा सकता है कि बालक का जैसे–जैसे विकास होता जाता है उसका व्यवहार भी परिष्कृत होता जाता है। अर्थात् उसके विकास के साथ-साथ अधिगम के परिणाम स्वरूप व्यवहार में परितर्वन भी होता जाता है।

9. एक प्राथमिक कक्षा-कक्ष में एक शिक्षक को क्या करना चाहिए?

(a) केवल गैर–उदाहरण देने चाहिए।

(b) उदाहरण एवं गैर उदाहरण दोनों देने चाहिए।

(c) उदाहरण या गैर–उदाहरण दोनों नहीं देने चाहिए।

(d) केवल उदाहरण देने चाहिए।

CTET (VI-VIII) 07/07/2019

Ans. (b) : एक प्राथमिक कक्षा–कक्ष में एक शिक्षक को उदाहरण एवं गैर उदाहरण दोनों देने चाहिए। एक शिक्षक को कक्षा शिक्षण करते समय उदाहरण को बच्चों के वास्तविक जीवन से जोड़कर प्रस्तुत करना चाहिए ताकि बच्चे अपने अनुभवों से जोड़ते हुए अवधारणाओं को समझ सकें। साथ ही बच्चों के सामने ऐसे उदाहरण भी प्रस्तुत करने चाहिए जो नियमों या सिद्धांतों से प्रत्यक्ष रूप से संबंधित न होते हुए भी उनके वास्तविक जीवन से संबंधित हो। इससे वे स्वयं चिंतन करने के लिए प्रेरित होंगे जिससे उनमें सृजनात्मकता का विकास होगा।

10. निम्नलिखित रणनीतियों में से कौन सी बच्चों में अर्थ निर्माण को बढ़ावा देगी?

(a) सूचनाओं का संचरण

(b) दंडात्मक साधनों का प्रयोग करना

(c) एकरूप एवं मानकीकृत परीक्षण

(d) अन्वेषण एवं परिचर्चा

CTET (VI-VIII) 07/07/2019

Ans. (d) : अन्वेषण एवं परिचर्चा बच्चों में अर्थ निर्माण को बढ़ावा देगी। अन्वेषण एवं परिचर्चा दोनों बच्चों के सक्रिय सहभागिता के द्वारा ज्ञान निर्माण में योगदान करते हैं। इन दोनों में छात्र शारीरिक तथा मानसिक रूप से सक्रिय रहते हुए ज्ञान की खोज करते हैं अर्थात् स्वयं सीखते हैं। इसमें शिक्षक ऐसे वातावरण का निर्माण करता है कि छात्रों के सामने समस्या उत्पन्न हो जाये। सभी छात्र समस्या के संबंध में चिंतन तथा निरीक्षण करते हैं तथा अंत में निर्णय निकालते हैं। इन दोनों नीतियों के अंतर्गत सभी छात्र अपनी–अपनी क्रियाओं द्वारा सत्य की खोज करते हैं।

11. ..... महीनों की आयु के बीच अधिकांश बच्चे शब्दों को मिलाकर छोटे–छोटे वाक्यों में बोलना शुरू कर देते हैं।

(a) 12 से 18 (b) 18 से 24

(c) 24 से 30 (d) 30 से 36

CTET (VI-VIII) 09/12/2018

Ans. (b) : 18 से 24 महीनों की आयु के बीच अधिकांश बच्चे शब्दों को मिलाकर छोटे–छोटे वाक्यों में बोलना शुरू कर देते हैं। प्रारम्भ में उनके वाक्य अस्पष्ट व भाषा विज्ञान की दृष्टि से अपूर्ण होते हैं। वे अपने बनाए टूटे–फूटे वाक्यों को बोलने के साथ–साथ तदनुरूप हाव–भाव भी दिखाते हैं जिससे सुनने वालों को उनका अर्थ स्पष्ट हो जाता है। ढाई से तीन वर्ष की आयु में बालक संज्ञाओं तथा क्रियाओं, शब्दों को मिलाकर एक छोटा वाक्य बनाने का प्रयास करते हैं।

12. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन विकास और अधिगम के बीच संबंध को सर्वश्रेष्ठ रूप में जोड़ता है?

(a) विकास अधिगम से स्वतंत्र है।

(b) अधिगम विकास के पीछे रहता है

(c) अधिगम और विकास समानार्थक पारिभाषित शब्द हैं।

(d) अधिगम और विकास एक जटिल तरीके से अंतःसंबंधित है।

CTET (VI-VIII) 20/09/2015

Ans. (d) अधिगम और विकास एक जटिल तरीके से अंतः सम्बन्धित है क्योंकि व्यक्ति अपनी दैनिक क्रियाओं और अनुभवों द्वारा कुछ न कुछ सीखता है। फलस्वरूप उसका शारीरिक और मानसिक विकास होता है। सीखने की इस विशेषता को पेस्टालॉजी ने वृक्ष और फ्रोबेल ने उपवन का उदाहरण देकर स्पष्ट किया है।

13. छिपी हुई वस्तुएँ ढूढ़ निकालना इस बात का संकेत है कि शिशु निम्नलिखित में से किस संज्ञानात्मक कार्य में दक्षता प्राप्त करने लगा है?

(a) साभिप्राय व्यवहार (b) वस्तु-स्थायित्व
(c) समस्या-समाधान (d) प्रयोग करना

CTET (VI-VIII) 21/09/2014

Ans. (b) छिपी हुई वस्तुएँ ढूँढ़ निकालना इस बात का संकेत है कि शिशु वस्तु–स्थायित्व संज्ञानात्मक कार्य में दक्षता प्राप्त करने लगा है। अर्थात शिशु में वस्तु के संप्रत्यय का विकास हो चुका है।

14. निम्न में से कौन सा कथन बच्चे के विकास में परिवेश की भूमिका का समर्थन करता है?

(a) पिछली कुछ दशाब्दियों में बुद्धि लब्धांक परीक्षा में शिक्षार्थियों के औसत प्रदर्शन में लगातार वृद्धि हुई है।
(b) एक समान जुड़वां बच्चे जिनका लालन-पालन भिन्न घरों में हुआ है, उनकी बुद्धिलब्धि 0.75 के समान उच्च है।
(c) शारीरिक रूप से स्वस्थ बच्चे अक्सर नैतिक रूप से अच्छे पाए जाते हैं।
(d) कुछ शिक्षार्थी सूचनाओं का जल्दी प्रक्रमण करते हैं जबकि उसी कक्षा के अन्य विद्यार्थी ऐसा नहीं कर पाते।

CTET (VI-VIII) 28/07/2013

Ans. (a) पिछले कुछ दशकों में बुद्धि लब्धांक परीक्षा में शिक्षार्थियों के औसत प्रदर्शन में लगातार वृद्धि हुई है। यह तथ्य दर्शाता है कि पिछले कुछ दशकों में कुछ ऐसा अधिगम वातावरण बन रहा है जिसमें बच्चे सुलभता से अपने आपको समायोजित कर पा रहे है और बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

15. एक शिक्षिका अपने शिक्षण में दृश्य-श्रव्य सामग्रियों और शारीरिक गतिविधियों का प्रयोग करती है क्योंकि –

(a) वे शिक्षक को आराम देते हैं
(b) के प्रभावी आकलन को सुगम बनाते हैं
(c) वे शिक्षार्थियों को वैविध्य उपलब्ध कराते हैं
(d) इनमें अधिकतम इंद्रियों का उपयोग सीखने को संवर्द्धित करता है

CTET (VI-VIII) 29/01/2012

Ans. (d) अधिगम का एक सिद्धान्त यह है कि यदि अधिगम करते समय शरीर के अधिकतम इंन्द्रियों को सक्रिय रखा जाय तो वह अधिगम अधिक प्रभावी होता है। इसलिए शिक्षिका जब अपने शिक्षण में दृश्य-श्रव्य सामग्रियों और शारीरिक गतिविधियों का प्रयोग करती है तो इससे अधिगम संवर्द्धित व पुस्ट होता है।

16. व्यवहार का 'करना' पक्ष ..... में आता है।

(a) सीखने के गतिक (कोनेटिव) क्षेत्र
(b) सीखने के मनोवैज्ञानिक क्षेत्र
(c) सीखने के संज्ञानात्मक क्षेत्र
(d) सीखने के भावात्मक क्षेत्र

CTET (VI-VIII) 29/01/2012

Ans. (a) व्यवहार 'करना' सीखने के शरीर गतिक क्षेत्र के अंतर्गत आता है। शरीर गतिक क्षेत्र के अंतर्गत शारीरिक संचालन, शारीरिक क्रिया, शरीर पर नियंत्रण, दृढ़ीकरण आदि आते है, जिनके माध्यम से ही व्यवहार किया जा सकता है।

17. इरफ़ान खिलौनों को तोड़ता है और उसके पुर्जों को देखने के लिए उन्हें अलग-अलग कर देता है। आप क्या करेंगे?

(a) उसके जिज्ञासु स्वभाव को प्रोत्साहित करेंगे और उसकी ऊर्जा को सही दिशा में संचारित करेंगे
(b) उसे समझाएंगे कि खिलौनों को कभी तोड़ना नहीं चाहिए
(c) इरफ़ान को खिलौनों से कभी भी नहीं खेलने देंगे
(d) उस पर हमेशा नजर रखेंगे

CTET (VI-VIII) 26/06/2011

Ans. : (a) बच्चों द्वारा खिलौनों को तोड़ना तथा उनके पुर्जों को देखना यह दर्शाता है कि वह बालक इस तरह का कार्य उत्सुकता पूर्वक करता है। अतः इस प्रकार के बालक को जिज्ञासु स्वभाव को प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि उसकी ऊर्जा को सही दिशा में संचारित की जा सके तथा बालक का मानसिक विकास सही दिशा में हो सके।

18. निम्नलिखित में से किस कथन को 'सीखने' के लक्षण के रूप में नहीं माना जा सकता?

(a) व्यवहार का अध्ययन सीखना है
(b) अन-अधिगम (unlearning) भी सीखने का एक हिस्सा है
(c) सीखना एक प्रक्रिया है जो व्यवहार में मध्यस्थता करती है।
(d) सीखना कुछ ऐसी चीज है जो कुछ अनुभवों के परिणामस्वरूप घटित होती है

CTET (VI-VIII) 26/06/2011

Ans. : (a) व्यवहार का अध्ययन सीखना, यह किसी भी प्रकार से सीखने का लक्षण नहीं है क्योंकि व्यवहार का अनुकरण करके उसे सीखा जा सकता है न कि व्यवहार का अध्ययन सीखा जाता है।

19. सबसे अधिक गहन और जटिल समाजीकरण होता है।

(a) पूर्व बाल्यावस्था के दौरान (b) प्रौढ़ावस्था के दौरान
(c) व्यक्ति के पूरे जीवन में (d) किशोरावस्था के दौरान

CTET (VI-VIII) 26/06/2011

Ans. : (d) सबसे अधिक गहन और जटिल सामाजीकरण किशोरावस्था के दौरान होता है। इस अवस्था में किशोरो में समूह निर्माण की प्रवृत्ति, मैत्री भावना का विकास, सामाजिक गुणों का विकास, समूह के प्रति भक्ति, सामाजिक परिपक्वता की भावना का विकास, बहिर्मुखी प्रवृत्ति आदि का विकास होता है जो सामाजीकरण की प्रक्रिया को समृद्ध, गहन व जटिल बनाते है।

20. अभिकथन (A) :
वह कोई उद्देश्यात्मक निश्चित क्षण नहीं होता जब कोई बच्चा मध्य बाल्यावस्था या किशोरावस्था में प्रवेश करता है।
कारण (R) :
विकास, प्रकृति में निरंतर होता रहता है।
सही विकल्प चुनें-

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) की (R) सही व्याख्या करता है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (A) की (R) सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत है।

CTET (VI-VIII) 21/01/2024 (Shift-II)

Ans. (a) : विकास से तात्पर्य अंगों के बेहतर और बढ़ते हुए कार्य के लिए संरचना में वृद्धि के होने से है। यह एक व्यापक और सतत प्रक्रिया हैं, इस प्रकार वह कोई उद्देश्यात्मक निश्चित क्षण नहीं होता जब कोई बच्चा मध्य बाल्यावस्था या किशोरावस्था में प्रवेश करता हैं क्योंकि विकास की प्रकृति निरंतर चलने वाली हैं विकास प्रक्रिया में नई विशेषताओं का समावेश होता हैं और पुरानी विशेषताएँ गायब हो जाती हैं। मनोवैज्ञानिक ने विकास को इन परिवर्तनों गुणों और विशेषताओं की क्रमिक और नियमित उत्पत्ति कहा हैं। अतः अभिकथन (A) व कारण (R) दोनों सही हैं एवं (A) की (R) सही व्याख्या कर रहा हैं।

21. किशोरावस्था के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) किशोरावस्था एक सामाजिक रचना है।
(b) किशोरावस्था को आमतौर पर यौवन को शुरू करने के लिए माना जाता है- यह एक ऐसी प्रक्रिया है जो यौन परिपक्वता और पुनरुत्पादन की क्षमता की ओर ले जाती है।
(c) किशोरावस्था बचपन और वयस्कता के बीच विकासात्मक संक्रमण है जिसमें शारीरिक, संज्ञानात्मक और मनोसामाजिक परिवर्तन होते हैं।
(d) विभिन्न संस्कृतियों के बच्चे एक समान तरीके से किशोरावस्था में प्रवेश करते हैं और इसे अनुभव करते हैं।

CTET (VI-VIII) 21/01/2024 (Shift-II)

Ans. (d) : विभिन्न संस्कृतियों के बच्चे एक समान तरीके से किशोरावस्था में प्रवेश करते हैं और इसे अनुभव करते हैं। सही नहीं है यह कथन किशोरावस्था में प्रभावित करने वाले कारक :

- जैविक कारक-यौवन की शुरूआत, हार्मोन का स्तर, शारीरिक विकास
- मनोवैज्ञानिक कारक-आत्म-सम्मान, पहचान, जोखिम लेने का व्यवहार
- सामाजिक-सांस्कृतिक कारक : परिवार, समुदाय, मीडिया, सामाजिक दंड

22. निम्नलिखित कथनों को पढ़िए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए :

अभिकथन (A) : बच्चों के बीच विकासात्मक दरों में काफी भिन्नताएँ मौजूद होती हैं।

कारण (R) : विकासात्मक अंतर, आनुवंशिक और अनुभवात्मक विविधताओं की जटिल अंतः क्रिया का एक अनिवार्य परिणाम हैं।

(a) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

CTET (VI-VIII) 20/08/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : बच्चों के बीच विकासात्मक दरों में काफी भिन्नताएँ मौजूद होती हैं क्योंकि विकासात्मक अंतर, आनुवंशिक और अनुभवात्मक विविधताओं की जटिल अंतः क्रिया का एक अनिवार्य परिणाम है। विकासात्मक अंतर में कार्यप्रणाली और भावनात्मक विनियमन की प्रभावशीलता में परिवर्तन शामिल है।

अतः (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

23. किस स्तर पर बच्चे नियमों के साथ खेलों में भाग लेने में सक्षम होते हैं, उनकी एथलेटिक क्षमताओं का विकास होता है और तार्किक विचार प्रक्रिया भी बढ़ जाती है, हालांकि यह ठोस अनुभवों तक ही सीमित होती है?

(a) बचपन (b) मध्य बचपन
(c) किशोरावस्था (d) शैशवास्था

CTET (VI-VIII) 29/12/2022 (Shift-II)

Ans. (b) : बच्चे का विकास विभिन्न अवस्थाओं में होता है। यद्यपि प्रत्येक अवस्था का अन्य अवस्थाओं के साथ एक व्यापक संबंध होता है, लेकिन इसकी अपनी विशिष्ट आवश्यकताएँ और माँगे होती हैं। मध्य बचपन या बाल्यावस्था की समय अवधि 6 वर्ष से 12 वर्ष की आयु तक होती है। इस समय के दौरान, विकास दर धीमा लेकिन स्थिर होता है। इस स्तर पर बच्चे नियमों के साथ खेलों में भाग लेने में सक्षम होते हैं, उनकी एथलेटिक क्षमताओं का विकास होता है और तार्किक विचार प्रक्रिया भी बढ़ जाती है, हालांकि यह ठोस अनुभवों तक ही सीमित होती हैं।

24. व्यक्तिगत भिन्नता का सिद्धांत बताता है कि :

(a) सभी बच्चों के शारीरिक विकास की गति एकसमान होती है।
(b) सभी बच्चों की वृद्धि की गति एक जैसी होती है।
(c) विभिन्न बच्चों के विकास और वृद्धि की गति में अंतर हो सकता है।
(d) सभी बच्चों के भाषायी विकास की गति एकसमान होती है।

CTET (VI-VIII) 10/01/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : व्यक्तिगत भिन्नता का सिद्धान्त बताता है कि विभिन्न बच्चों के विकास और वृद्धि की गति में अंतर हो सकता है। जिसका एक कारण आयु और बुद्धि भी है। आयु के साथ-साथ बालक का शारीरिक, मानसिक और संवेगात्मक विकास होता है, इसलिए विभिन्न आयु के बालकों में अन्तर मिलता है।

25. वह कौन सी अवस्था है जिसमें बच्चे परिवार से स्वायत्तता स्थापित करते हैं और अपने व्यक्तिगत मूल्यों एवं लक्ष्यों को परिभाषित करते हुए अपनी खुद की एक पहचान का निर्माण करते हैं?

(a) प्रारंभिक बाल्यावस्था
(b) मध्य बाल्यावस्था
(c) उत्तर बाल्यावस्था
(d) किशोरावस्था

CTET (VI-VIII) 12/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : किशोरावस्था में बच्चे परिवार से स्वायत्तता स्थापित करते हैं और अपने व्यक्तिगत मूल्यों एवं लक्ष्यों को परिभाषित करते हुए अपनी खुद की एक पहचान का निर्माण करते हैं। विद्वानों ने (13-21) वर्ष की अवस्था को किशोरावस्था माना है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार किशोरावस्था यौनिक परिपक्वता से प्रारम्भ होती है और वैधानिक परिपक्वता पर समाप्त हो जाती है। परिवर्तन की इस अवस्था में माता पिता, शिक्षक, अभिभावक तथा अन्य लोग जो बालकों के कल्याण में रुचि रखते हैं और परिवार समाज व राष्ट्र की प्रगति चाहते हैं तो उन्हें किशोरों के विकास पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिये क्योंकि किशोर ही वर्तमान की शक्ति और भविष्य की आशा है। स्टेनले हॉल के अनुसार, ''किशोरावस्था बड़े संघर्ष, तूफान व विरोध की अवस्था है।''

26. कथन (A): शारीरिक विकास के संदर्भ में बच्चों के विकास को समझने के लिए यह ज़रूरी है कि बजाए एक विशिष्ट उम्र को देखने के, विकास की 'सीमा क्षेत्र' को देखा जाए।

तर्क (R): बच्चों की वृद्धि व विकास में व्यक्तिगत भिन्नताएँ होती हैं।

सही विकल्प चुनें।

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या करता हैं (A) की।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R) सही व्याख्या नहीं हैं (A) की।

(c) (A) सही है लेंकिन (R) गलत है।

(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

CTET (VI-VIII) 12/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : शारीरिक विकास के संदर्भ में बच्चों के विकास को समझने के लिए यह जरूरी है कि बजाए एक विशिष्ट उम्र को देखने के, विकास की 'सीमा क्षेत्र' को देखा जाए क्योंकि बच्चों की वृद्धि व विकास में व्यक्तिगत भिन्नताएँ होती है। कभी-कभी वृद्धि और विकास दोनों को पर्याय मान लिया जाता है लेकिन इनमें अंतर है। वृद्धि को मानव के कोशीय वृद्धि के संदर्भ में समझा जाता है वहीं विकास का संदर्भ वृद्धि के साथ मानव के सम्पूर्ण पक्ष में वृद्धि से है। अर्थात् विकास में वृद्धि तो निहित है ही, साथ ही साथ व्यक्ति के मानसिक, भावात्मक, सामाजिक, नैतिक आदि पक्षों में परिवर्तन से है। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या करता है (A) की।

27. बाल विकास की गति :

(a) एकसमान, मानकीय और अव्यवस्थित होती है।

(b) में व्यक्तिगत भिन्नताएँ होती हैं और यह अव्यवस्थित होती है।

(c) एकसमान, मानकीय और कुछ हद तक सुनियोजित और क्रमानुसार होती है।

(d) में व्यक्तिगत भिन्नताएँ होती हैं और यह कुछ हद तक सुनियोजित और क्रमानुसार होती है।

CTET (VI-VIII) 13/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : बाल विकास की गति में व्यक्तिगत भिन्नताएँ होती हैं और यह कुछ हद तक सुनियोजित और क्रमानुसार होती है। एक बच्चा एक क्रमबद्ध क्रम में विकसित होता है। जो सभी बच्चों में लगभग समान होता है। विकास की दर और गति अलग-अलग मामलों में भिन्न हो सकती है, लेकिन सभी बच्चों में विकास स्वरूप का क्रम लगभग समान है। इस प्रकार मानव विकास कुछ सिद्धान्तों पर आधारित है। जन्म के पूर्व और प्रसव के बाद मनुष्य का विकास एक स्वरूप या एक सामान्य अनुक्रम का पालन करता है। शारीरिक विकास, पेशीय या भाषा विकास और बौद्धिक निश्चित क्रमों में होता है।

28. किस उम्र में बच्चों के क्रियाकलाप प्रमुखतः बड़ी मांसपेशियों के स्थूल गति के प्रयोग पर केन्द्रित होते हैं बजाए सूक्ष्म गति कार्य के?

(a) शैशवावस्था (b) प्रारंभिक बाल्यावस्था

(c) किशोरावस्था (d) माध्यमिक बाल्यावस्था

CTET (VI-VIII) 13/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : शैशवावस्था में बच्चों के क्रियाकलाप प्रमुखतः बड़ी मांसपेशियों के स्थूल गति के प्रयोग पर केन्द्रित होते हैं बजाए सूक्ष्म गति कार्य के। स्थूल गत्यात्मक कौशल वे हैं जिन्हें, चलने संतुलन बनाने, दौड़ने और घिसटकर चलने जैसे कार्यों को करने के लिये बड़ी मांसपेशियों के समूह के उपयोग की आवश्यकता होती है।

सूक्ष्म गत्यात्मक कौशल वे हैं जिनमें कलाई, हाथ, अंगुलियों, पैरों की उंगलियों और अंगूठों के साथ सूक्ष्म कार्य करने के लिए छोटी मांसपेशियों के समूह के उपयोग की आवश्यकता होती है।

29. कथन (A) : स्कूल में सीखने के लिए बच्चों के गति कौशल का समन्वय महत्वपूर्ण नहीं है।

तर्क (R) : सीखना और विकास एक दूसरे से स्वतंत्र हैं।

सही विकल्प चुनें।

(a) A) और (R) दोनों सही है और (R) सही व्याख्या करता है (A) की।

(b) (A) और (R) दोनों सही है और (R) सही व्याख्या नहीं करता है (A) की।

(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।

(d) (A) और (R) दोनों गलत है।

CTET (VI-VIII) 24/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : स्कूल में सीखने के लिए बच्चों के गति कौशल का समन्वय महत्वपूर्ण नहीं है क्योंकि सीखना और विकास एक दूसरे से स्वतंत्र है; ये दोनों (A) और (R) गलत हैं। क्योंकि स्कूल में सीखने के लिए बच्चों में मोटर समन्वय महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों को अपने आस-पास की दुनिया का पता लगाने में भी मदद मिलती है। तथा मोटर समन्वय के द्वारा बच्चा चलना, दौड़ना, कूदना जैसी क्षमताओं को प्राप्त करता है। अतः सीखना और विकास एक दूसरे के अंतर्संबंधित है।

30. कथन (A) : सीखने की प्रक्रिया के दौरान बच्चों द्वारा की गई त्रुटियों को उनके संज्ञानात्मक विकास के एक भाग के रूप में देखा जाना चाहिए।

तर्क (R) : बच्चे व्यस्कों की तुलना में चीजों को अलग तरह से सीखते हैं।

सही विकल्प चुनें–

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या करता है (A) की।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R) सही व्याख्या नहीं है (A) की।

(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।

(d) (A) और (R) दोनों गलत है।

CTET (VI-VIII) 28/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : उपयुक्त कथन (A) तथा तर्क (R) दोनों सही है और (R) सही व्याख्या है (A) की।

सीखने की प्रक्रिया के दौरान बच्चों द्वारा की गई त्रुटियों को उनके संज्ञानात्मक विकास के एक भाग के रूप में देखा जाना चाहिए क्योंकि बच्चे वयस्कों की तुलना में चीज़ों को अलग तरह से सीखते हैं। वयस्कों को यह जानने की जरूरत होती है कि कुछ क्यों सीखना है; जैसे ही वे इस प्रश्न का उत्तर देते हैं, वे आरम्भ करने के लिए तैयार होते हैं दूसरी ओर, बच्चों को आमतौर पर बताया जाता है कि उन्हें क्या सीखना है। इसीलिए बच्चे वयस्कों की तुलना में अलग तरह से सीखते हैं। बच्चे गुणात्मक रूप से वयस्कों से भिन्न होते हैं।

31. विकास की 'संवेदनशील अवधि' से क्या तात्पर्य है?

(a) वह समय अवधि जब बच्चे अधिगम के कुछ प्रकारों के प्रति तत्पर हैं।
(b) वह समय अवधि जब बच्चे बहुत भावुक होते हैं।
(c) गर्भधारण से जन्म तक की समय अवधि
(d) शैशवावस्था से किशोरावस्था तक की समय अवधि

CTET (VI-VIII) 28/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : 'वह समय अवधि जब बच्चे अधिगम के कुछ प्रकारों के प्रति तत्पर है' यह विकास की 'संवेदनशील अवधि' कहलाती है। संवेदनशील अवधि वह होती है जब बच्चा एक कौशल प्राप्त करने के लिए परिपक्व होता है। इस अवधि के दौरान बच्चे के पास अनुकूल अनुभव होना चाहिए जो उसे कौशल प्राप्त करने में मदद करते हैं। एक संवेदनशील अवधि जीवन में वह समय अवधि होती है जब बच्चे के विकास पर पर्यावरणीय प्रभाव का सबसे अधिक और गहरा प्रभाव पड़ता है।

32. स्नेहा का कद बहुत तेजी से बढ़ रही है और अब उसका हाथ उसकी लंबी अलमारी के हैंडल तक आसानी से पहुँच सकता है जिससे वह बहुत आसानी से अलमारी खोल सकती है। स्नेहा की कद में बदलाव को _____ कहा जाता है?

(a) पाड़ (b) वृद्धि
(c) सीखना (d) अनुकूलन

CTET (VI-VIII) 02/02/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : स्नेहा का कद बहुत तेजी से बढ़ रही है और अब उसका हाथ उसकी लंबी अलमारी के हैंडल तक आसानी से पहुँच सकता है जिससे वह बहुत आसानी से अलमारी खोल सकती है। स्नेहा की कद में बदलाव को वृद्धि कहा जाता है। वृद्धि मात्रात्मक होती है और एक समय पर रूक जाती है जबकि विकास गुणात्मक होता है और जीवन पर्यंत तक चलता ही रहता है।
पाड़ या मचान बच्चों को संकेत व इशारे करने से सम्बन्धित होता है।

33. निम्नलिखित में से कौन-सा स्थूल गामक कौशलों का उदाहरण है?

(a) चित्र बनाना (b) सुई पकड़ना
(c) तेज चलना (d) धागे में मोती पिरोना

CTET (VI-VIII) 03/02/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : स्थूल कौशल के अन्तर्गत वे बड़ी गतिविधियाँ आती हैं जो शिशु अपनी बाजुओं, टांगों, पैरों या पूरे शरीर के जारिये करते हैं। घुटनों के बल चलना, खड़े होकर चलना,तेज चलना, दौड़ना और कूदना आदि स्थूल कौशलों के उदारहण हैं।

34. विकास का 'अधोगामी' सिद्धान्त बताता है कि विकास किस ओर से किस तरफ बढ़ता है?

(a) जटिल से सरल (b) सिर से पैर
(c) केन्द्र के बाह्य (d) सामान्य से विशिष्ट

CTET (VI-VIII) 03/02/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : विकास का 'अधोगामी' सिद्धान्त यह बताता है कि विकास शरीर के केन्द्र से बाहर की ओर होता है अर्थात् पहले स्पाइनल कॉर्ड बनेगी, फिर हृदय और इसी क्रम में विकास होता चला जायेगां जैसे- बच्चों का खड़े होने से पहले बैठने में सक्षम होना, बच्चे हाथों और पैरों को हिलाना सीखने से पहले अपने सिर को हिलाना सीखते हैं; ये सभी अधोगामी सिद्धान्त को स्पष्ट करते है।

35. बच्चों के विकास की दिशा _____ होती है और प्रत्येक बच्चा _____।

(a) एक जैसी; अपनी गति से विकसित होता है।
(b) अलग-अलग; अपनी गति से विकसित होता है।
(c) एक जैसी; समान रूप से विकसित होता है।
(d) अलग-अलग रूप से विकसित होता है।

CTET (VI-VIII) 04/02/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : बच्चों की विकास की दिशा 'अलग' होती है और प्रत्येक बच्चा 'अपनी गति से विकसित होता है'। आनुवंशिकता तथा पर्यावरण प्रभावों के बीच परस्पर अंतःक्रिया से बालकों के विकासात्मक रूप में व्यक्तिगत भिन्नता होती है तथा प्रत्येक बालक के विकास की गति समान नही होती अपितु वे अपनी स्वयं की गति से विकास करते हैं।

36. कथन (A) : सभी बच्चों को बचपन में खेलने के अवसर और समय नहीं मिलता है।
तर्क (R) : सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों के आधार पर बच्चे बचपन को अलग-अलग तरह से अनुभव करते हैं।

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या करता है (A) की।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R) सही व्याख्या नहीं है (A) की।
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

CTET (VI-VIII) 04/02/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : सभी बच्चों को बचपन में खेलने के अवसर और समय नहीं मिलता है क्योंकि सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भो के आधार पर बच्चे बचपन को अलग-अलग तरह से अनुभव करते हैं। संस्कृति प्राकृतिक होती है जो स्थान, समय, समुदाय और वंश के अनुसार भिन्न होती है। हर बालक का जीवन उसके समाज और संस्कृति से प्रभावित होता है जो कि उसे घेरती है और उसे वैसे ही अपनाती है जैसे वह है। इस प्रकार हम यह कह सकते हैं कि (A) और (R) दोनों सहीं है और (R) सही व्याख्या करता है (A) की। अतः विकल्प (a) सही उत्तर होगा।

37. निम्नलिखित कथनों को पढ़िए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए :
अभिकथन (A) : बच्चों के बीच विकासात्मक दरों में काफी भिन्नताएँ मौजूद होती हैं।
कारण (R) : विकासात्मक अंतर, आनुवंशिक और अनुभवात्मक विविधताओं की जटिल अंतः क्रिया का एक अनिवार्य परिणाम हैं।

(a) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

CTET (VI-VIII) 20/08/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : बच्चों के बीच विकासात्मक दरों में काफी भिन्नताएँ मौजूद होती हैं क्योंकि विकासात्मक अंतर, आनुवंशिक और अनुभवात्मक विविधताओं की जटिल अंतः क्रिया का एक अनिवार्य परिणाम है। विकासात्मक अंतर में कार्यप्रणाली और भावनात्मक विनियमन की प्रभावशीलता में परिवर्तन शामिल है।
अतः (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

38. कक्षा में एक बच्चा अपने सहपाठियों से इस तरह व्यवहार करता है और जैसे उससे उसके घर में बर्ताव किया जाता है। यह किसका उदाहरण है?

(a) संरचनावाद (b) सामाजिक संरचनावाद

(c) अवलोकन अधिगम (d) मानववादी अधिगम

CTET (VI-VIII) 21/12/2021

Ans. (c) : कक्षा में एक बच्चा अपने सहपाठियों से इस तरह व्यवहार करता है और उससे उसके घर में बर्ताव किया जाता है। यह अवलोकन अधिगम का उदाहरण है। अवलोकन अधिगम सीखने का एक रूप है। जिसमें लोग किसी अन्य व्यक्ति को उस व्यवहार को देखकर नया व्यवहार प्राप्त करते हैं। व्यवहार करने वाले व्यक्ति को मॉडल के रूप में जाना जाता है। अवलोकन अध्ययन अनुसंधान के प्रणेता अल्बर्ट बंडुरा है। संज्ञानात्मक और समस्या–समाधान के कौशल को दूसरों को देखकर और उसकी नकल करके सीखा जा सकता है।

39. कथन (A) : बच्चों और बचपन के बारे में समनायिकृत दावा करना कठिन हैं क्योंकि इसमें बहुत बहुलता/विविधता है।

तर्क (R) : बचपन एक सामाजिक-सांस्कृतिक संकल्पना है।

सही विकल्प चुनें।

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या करता है (A) की।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R) सही व्याख्या नहीं है (A) की।

(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।

(d) (A) और (R) दोनों गलत है।

CTET (VI-VIII) 21/12/2021

Ans. (a) : (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या करता है (A) की।

तर्क (R) बचपन एक सामाजिक सांस्कृतिक संकल्पना है। बचपन पर समाज और संस्कृति का विशेष प्रभाव पड़ता है।

कारण (A) बच्चों और बचपन के बारे में समनायिकृत दावा करना कठिन हैं, क्योंकि इसमें बहुत बहुलता/विविधता है। क्योंकि इन दोनों में बहुत से विभिन्नता रहती है सभी बालकों का विकास अलग-अलग होता है।

40. समकालीन सिद्धान्त 'बचपन' को _____ मानते हैं -

(a) एक सामाजिक संरचना

(b) सभी संस्कृतियों में पवित्र काल

(c) बहुत अधिक तनाव और चिंता काल

(d) किशोरावस्था तक का विकास काल

CTET (VI-VIII) 23/12/2021

Ans. (a) : समकालीन सिद्धान्त बचपन को एक सामाजिक संरचना मानते है। सामाजिक संरचना का अभिप्राय समाज की इकाइयों की क्रमबद्धता से होता हैं। सामाजिक इकाइयां जैसे समूह, समितियां, संस्थाएं, परिवार, सामाजिक प्रतिमान आदि की क्रमबद्धता को सामाजिक संरचना कहा जाता हैं।

कार्ल मैनहीम के अनुसार, ''सामाजिक संरचना शक्तियों के ताने बाने को कहते हैं, जिसके फलस्वरूप अवलोकन तथा सोचने विचारने के तरीके या ढंग विकसित होते हैं।''

41. सामाजिक संरचनात्मक परिप्रेक्ष्य में बच्चों को किस तरह से देखते हैं?

(a) जानकारी के निष्क्रिय ग्रहणकर्ता

(b) अपने सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ से स्वतंत्र

(c) ज्ञान के सक्रिय सृजनकर्ता

(d) आनुवंशिकता से पूर्व-क्रमादेशित

CTET (VI-VIII) 27/12/2021

Ans. (c) : सामाजिक संरचनात्मक परिप्रेक्ष्य में बच्चों को ज्ञान के सक्रिय सृजनकर्ता के रूप में देखते हैं। सामाजिक संरचनात्मक परिप्रेक्ष्य में सीखने का एक दृष्टिकोण है जो वास्तविक जीवन स्थितियों से संबंधित चर्चा और परियोजनाओं में शिक्षार्थियों को शामिल करके सहयोगी शिक्षण को प्रधानता देता है। शिक्षार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करता है और सहपाठियों को पढ़ाने को बढ़ावा देता है। सामाजिक संरचनात्मक परिप्रेक्ष्य में बच्चों को ज्ञान के सक्रिय सृजनकर्ता और अर्थ निर्माता के रूप में देखते हैं। यह सीखने वालों को गतिविधि करने के लिए अधिगम की अपनी रणनीति को बढ़ावा देने की अनुमति देता है।

42. विकास का वह चरण जब कोई जीव सबसे तेजी से किसी विशेष कौशल या विशेषता को प्राप्त कर सकता है, क्या कहलाता है?

(a) संवेदनशील अवधि

(b) समीपस्थ विकास का क्षेत्र

(c) विकासात्मक विलंब

(d) संज्ञानात्मक स्थिरता

CTET (VI-VIII) 24/12/2021

Ans. (a) : विकास का वह चरण जब कोई जीव सबसे तेजी से किसी विशेष कौशल या विशेषता को प्राप्त कर सकता है, यह संवेदनशील अवधि (Sensitive Period) कहलाता है। यह वह चरण है जो बालक के सम्पूर्ण भावी जीवन को प्रभावित करती है। इसलिए इसे मानव जीवन का आधार माना जाता है। इस अवस्था में बालक को जो कुछ भी सिखाया जाता है या करवाया जाता है उसका बालक के ऊपर अमिट प्रभाव तत्काल पड़ता है। जीवन के इस चरण में उनका शरीर तथा मस्तिष्क अत्यंत ग्रहणशील रहते हैं। इस चरण में अन्य चरणों की तुलना में सीखने का क्षेत्र तथा तीव्रता अधिक व्यापक होता है।

43. कथन (A) : मानव अपने पूरे जीवन काल के दौरान गत्यात्मक और संज्ञानात्मक क्षेत्रों में नई चीज़ें सीखने और स्मरण रखने के योग्य है।

कथन (R) : एक गंभीर रूप से पीड़ित बचपन के परिणामों को बाद के वर्षों में आसानी से बदला जा सकता है।

सही विकल्प चुनें।

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या करता है (A) की।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R) सही व्याख्या नहीं करता है (A) की।

(c) (A) सही हैं लेकिन (R) गलत है।

(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

CTET (VI-VIII) 22/12/2021

Ans. (c) : मानव अपने पूरे जीवनकाल के दौरान गत्यात्मक और संज्ञानात्मक क्षेत्रों में नई चीजें सीखने और स्मरण रखने के योग्य है क्योंकि मानव की विकास प्रक्रिया निरन्तर अविराम गति से चलती रहती है तथा सीखना एक निरंतर चलने वाली सार्वभौमिक प्रक्रिया है। मानव जन्म से ही सीखना प्रारम्भ कर देता है तथा मृत्युपर्यन्त कुछ न कुछ सीखता रहता है। परिस्थिति तथा आवश्यकता के अनुरूप सीखने की गति घटती-बढ़ती रहती है तथा एक गंभीर रूप से पीड़ित बचपन के परिणामों को बाद के वर्षों में आसानी से बदला नहीं जा सकता है क्योंकि इस अवस्था की घटनाओं या कार्यों का बालक के ऊपर अमिट प्रभाव पड़ता है। अतः (A) सही है लेकिन (R) गलत है।

44. बेहतर एथलेटिक (शारीरिक) क्षमताएँ, नियमों के साथ खेलों में भागीदारी, तार्किक विचार प्रक्रियाएँ जो ठोस अनुभवों के आसपास केन्द्रित होती हैं, वे किस अवधि के लक्षण हैं?

(a) शैशवावस्था (b) प्रारंभिक बचपन
(c) मध्य बचपन (d) किशोरावस्था

CTET (VI-VIII) 04/01/2022

Ans. (c) : बेहतर एथलेटिक (शारीरिक) क्षमताएँ, नियमों के साथ खेलों में भागीदारी, तार्किक विचार प्रक्रियाएँ जो ठोस अनुभवों के आसपास केन्द्रित होती हैं, वे मध्य बचपन अवधि के लक्षण है। मध्य बचपन की अवधि 6 से 12 वर्ष होती है। धीमी वृद्धि, बेहतर मोटर कौशल, बेहतर सोचने की क्षमता, दोस्तों, माता-पिता के साथ, पड़ोसी के साथ बातचीत करना आदि मध्य बचपन अवधि की विशेषताएं है। मध्य बचपन में एक बालक द्रव्यमान संख्या और क्षेत्रफल के परिवर्तन को समझ सकता है।

45. अधिगम का वह रूप जिसमें बच्चे दूसरों की नकल करके सीखते हैं, क्या कहलाता है?

(a) सामाजिक अधिगम (b) व्यवहारवादी अधिगम
(c) अन्वेषण अधिगम (d) मानवतावादी अधिगम

CTET (VI-VIII) 29/12/2021

Ans. (a) : अधिगम का वह रूप जिसमें बच्चे दूसरों की नकल करके सीखते हैं, सामाजिक अधिगम (social learning) कहलाता है। अर्थात् दूसरों को देखकर उनके अनुरूप व्यवहार करने के कारण अथवा दूसरों के व्यवहारों को अपने जीवन में उतारने तथा समाज द्वारा स्वीकृत व्यवहारों को धारण करने तथा अमान्य व्यवहारों को त्यागने के कारण ही यह सामाजिक अधिगम कहलाता है। सामाजिक अधिगम, व्यक्ति अधिगम या समूह अधिगम की अपेक्षा अधिक बड़े पैमाने पर होता है। इसके द्वारा अभिवृत्ति या व्यवहार में परिवर्तन हो भी सकता है और नहीं भी हो सकता है। अतः सामाजिक अधिगम इस बात पर बल देता है कि बच्चे के सामने हमेशा आदर्श व्यवहार के प्रतिमान को प्रस्तुत करना चाहिए।

46. संज्ञानात्मक विकास की किस अवस्था में अमूर्त सोच और वैज्ञानिक तर्क की क्षमता विकसित होती है?

(a) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था
(b) संवेदक-गामक अवस्था
(c) मूर्त-संक्रियात्मक अवस्था
(d) औपचारिक-संक्रियात्मक अवस्था

CTET (VI-VIII) 29/12/2021

Ans. (d) : संज्ञानात्मक विकास की औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था (formal operational stage) में अमूर्त सोच और वैज्ञानिक तर्क की क्षमता विकसित होती है। यह अवस्था लगभग 11 से 15 वर्ष की आयु तक चलती है। इस अवस्था के दौरान बालक अमूर्त बातों के संबंध में तार्किक चिंतन करने की योग्यता विकसित करता है। मूर्त वस्तुओं तथा सामग्री के स्थान पर शाब्दिक तथा सांकेतिक अभिव्यक्ति का प्रयोग तार्किक चिंतन में किया जाता है। इस अवस्था में समस्या-समाधान व्यवहार अधिक व्यवस्थित हो जाता है। बालक निष्कर्ष निकालने लगता है, व्याख्या करने लगता है तथा परिकल्पनायें बनाने लगता है। औपचारिक संक्रियात्मक विचार बालकों को वास्तविकता से बाहर जाने तथा संभावनाओं पर विचार करने योग्य बनाते हैं।

47. कथन (A): बच्चों को आरंभिक बाल्यावस्था में विकास और अधिगम हेतु प्यार, देखभाल और बहुत से अवसर प्रदान करने चाहिए।
तर्क (R): गंभीर रूप से वंचित बाल्यावस्था के परिणामों को बाद के बर्षों में बदलना बहुत आसान होता है।
सही विकल्प को चुनें-

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या करता है (A) की।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R) सही व्याख्या नहीं है (A) की।
(c) (A) सही है और (R) गलत है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

CTET (VI-VIII) 29/12/2021

Ans. (c) : बच्चों को आरम्भिक बाल्यावस्था में विकास और अधिगम हेतु प्यार, देखभाल और बहुत से अवसर प्रदान करने चाहिए। इस अवस्था में बालक अपनी आदतों, व्यवहार, रुचियों, इच्छाओं आदि प्रतिरूपों का निर्माण कर लेता है, जिन्हें बाद में रूपान्तरित करना प्रायः अत्यन्त कठिन होता है। इस अवस्था में बालक प्राथमिक विद्यालय की शिक्षा आरम्भ करता है। गंभीर रूप से वंचित बाल्यावस्था के परिणामों को बाद में बदलना आसान नहीं होता है क्योंकि बाल्यावस्था के दौरान ही बालक के आधारभूत दृष्टिकोणों, नैतिक मूल्यों तथा आदर्शों का काफी सीमा तक निर्धारण हो जाता है। अतः कथन (A) सही है और (R) गलत है।

48. किस अवधि के दौरान विचार अमूर्त और आदर्शवादी हो जाता है?

(a) शैशवावस्था (b) प्रारंभिक बचपन
(c) मध्य बचपन (d) किशोरावस्था

CTET (VI-VIII) 01/01/2022

Ans. (d) : किशोरावस्था की अवधि (12 से 18 वर्ष) के दौरान विचार अमूर्त और आदर्शवादी हो जाता है। इस अवधि में बालक दो अवस्थाओं में रहता है। न तो उसे बालक ही समझा जाता है और न ही प्रौढ़ के रूप में स्वीकृति मिलती है। इस अवधि में मानसिक योग्यताओं का तीव्र गति से विकास होता है। जिज्ञासा, स्मृति, कल्पना, सृजनात्मकता, तर्कशक्ति, निर्णय लेने की क्षमता अधिक विकसित हो जाती है। इस अवधि में बालक समूह को महत्त्व देना, समाज-सेवा की भावना, ईश्वर व धर्म में विश्वास, स्वाभिमान की भावना आदि पर बल देने लगते हैं।

49. बाल विकास में 'संवेदनशील अवधि' का क्या अर्थ है?

(a) केवल संज्ञान और सीखने में तेजी से प्रगति से संबंधित अवधि ।
(b) विशिष्ट क्षमताओं के विकास के लिए इष्टतम अवधि।